



उकेर नाम नूह रहाए | नूह, सेठ केर वंसज सेने रहाए और ऊ धर्मी और निर्दोष रहाए | ऊ परमेश्वर केरे साथ चालत रहाए |

19



और ऊ आपन तीनों बेटन का भी परमेश्वर केर आज्ञा का मानेक सिखाएस रहाए | और परमेश्वर नूह का बहुत अजीब और विशेष तरीके से इस्तेमाल करेक लिए योजना बनाइन रहाए |

20

मनुष्य के उदास केर सुरुआत

मनुष्य के उदास केर सुरुआत

परमेश्वर केर वचन सेने कहानी, बाइबिल

मा पावा जात है

उत्पत्ति 3-६

"तुमरे वचन केरे द्वारा प्रकाश मिलत है।"
भजन सहिता ११९:१३०



लिखा गवा Edward Hughes
प्रकाशित Byron Unger; Lazarus

अनुवाद Vijay Kumar
रूपांतरण M. Maillot; Tammy S.

साठ(६०) कि दूसरी (२) कहानी

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञा : आप लोगन का कहानी का प्रतिलिपि और छपाई करेक अधिकार है,
जब तक आप इका बेचत नाही है।

परमेश्वर जानत है कि हम सब लोग बुरा काम किये हों जिका ऊ पाप बोलत है पाप केर दंड खली मृतु है है।

परमेश्वर हमसे इतना प्रेम करत है कि ऊ आपन इकलौता पुत्र हमका हमरे पाप केर खतिर दई दीस ताकि हमार पाप उके द्वारा छमा होई जाए। येशु फिर जिन्दा होई गए और स्वर्ग माँ चले गए अब परमेश्वर हमरे पाप का छमा कर सकत है।

अगर हमका अपने पापन से फिरेक है तब ई परमेश्वर से बोले: प्रिय परमेश्वर हम विश्वास करीत है कि येशु हमरे पापन खातिर मारा गवा और जी उठा। कृपया हमरे जीवन मा आओ और हमरे पापन का छमा करो ताकि हमरे पास नवा जीवन होए तब हम जीवन भर तुमरे साथ रही। हमका अपने बच्चन जैसे जिए के खातिर मदद करो। युहन्ना 3:16

बाइबिल पढ़े और परमेश्वर से बात करे।

अवधी

Awadhi



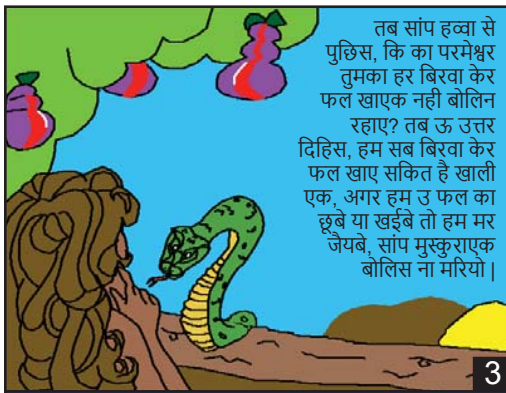
परमेश्वर सबकुछ बनाइन | जब परमेश्वर पहिला मनुष्य आदम का बनाइन, तो ऊ हुवा अदन कि वाटिका मा अपनी पत्नी हवा के साथ रहत रहाए।

1



ऊ लोग परमेश्वर केर आज्ञा का मानेक बहुत खुश रहाए और उकी उपस्थिति मा आनंदित रहाए जब तक एक दिन ...

2



तब सांप हवा से पुछिस, कि का परमेश्वर तुमका हर बिरवा केर फल खाएक नही बोलिन रहाए? तब ऊ उत्तर दिहिस, हम सब बिरवा केर फल खाए सकित है खाली एक, अगर हम उ फल का छूबे या खईबे तो हम मर जेयबे, सांप मुस्कराएक बोलिस ना मरियो।

3



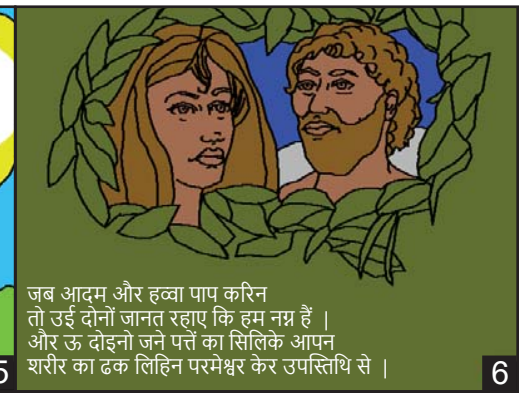
तुम परमेश्वर के जैसे होई जइयो, हवा ऊ बिरवाक फल खाएक चाहत रहाए। ऊ सांप केर बात सुनिस और फल का खाए लिहिस।

4



परमेश्वर केर आज्ञा का ना माने के बाद हवा आदम का भी ऊ फल खिला देहीस। और आदम कहिस ई हम परमेश्वर केरे आज्ञा का ना तोड़ब।

5



जब आदम और हवा पाप करिन तो उई दोनों जानत रहाए कि हम नग्न हैं। और ऊ दोइनों जने पत्ते का सिलिके आपन शरीर का ढक लिहिन परमेश्वर केर उपस्थिति से।

6



शाम के शांत समय मा परमेश्वर ऊ बगीचा मा आए। ऊ जानत रहाए कि आदम और हवा का करिन है। आदम हवा का दोषी ठहराइन और हवा सांप का दोषी ठहराइन। परमेश्वर बोलिन सांप शापित होए। स्त्री जब बच्चा जनिये तब ऊका दरद होइये। आदम तुम पाप करे हो इके लिए पृथिवी कांटे और झाड़ोंदार से शापित होइए। तुमका आपन दैनिक भोजन का प्राप्त करेक खातिर पसीना बहएक पड़ी।

7



परमेश्वर आदम और हवा का अदभुत बगीचा से बाहर रखिन। काहिकी उई लोग पाप करे रहाए। और ऊ दुइनों जने जीवन दे वाले परमेश्वर से अलग होई गये।

8



परमेश्वर उनका बाहर राखेक के खातिर एक ज्वलंत तलवार बनाइन। परमेश्वर आदम और हवा केरे खातिर त्वचा का कोट बनाइन। परमेश्वर जहाँ से त्वचा लिहिन रहाए।

9



ऊ समय मा, आदम और हवा केर बच्चा हुवा। उनकर पहिला लडिका केर नाम केन रहाए जौन माली रहाए। और दुसर बेटा हाबिल चरवाहा रहाए। एक दिन केन परमेश्वर केरे खातिर कुछ सब्जी उपहार मा लाईस। और हाबिल भी भेड़-बकरी उपहार मा लावा। परमेश्वर हाबिल के उपहार से प्रसन्न रहाए।

10



परमेश्वर केन के उपहार से प्रसन्न नही रहाए। केन बहुत गुस्सा भवा। तब परमेश्वर कहिन कि अगर तुम अच्छे मनन लाय होइतेओ तो का ग्रहण न होत?

11



केन केर गुस्सा उसे दूर नही गवा और ऊ कुछ समय के बाद हाबिल पर हमला करिस और उका मार डालिस।

12



परमेश्वर केन से बोलिन "तुम्हार भाई हाबिल कहाँ है, तब केन बोलिस हमका नही मालुम, केन झूट बोलिस। का हम आपन भाई केर रक्षक अहि। तब परमेश्वर केन का अपने से दूर करके उका भटक दिहिन।

13



केन यहोवा कि उपस्थिति से बहार चला गवा और ऊ आदम और हवा केर बेटी से शादी कर लिहिस। और परिवार का बढईस। जल्दी ही केन केर पोते और उके परपोते ऊ शहर मा बसी गये जौन ऊ पईस रहाए।

14



इके दौरान, आदम और हवा केर परिवार जल्दी बढ गवा। जैसे कि आज कि तुलना मा अधिक समय तक रहत रहाए।

15



जब उकेर बेटे सेठ केर जनम हुवा तो हवा बोलिस कि परमेश्वर हमका हाबिल कि जगह मा सेठ का दिहिस है। सेठ एक ईश्वरिय मनुष्य रहाए जौन ९१२ साल जीवित रहाए और उकेर बहुत सारे बच्चे रहाए।

16



इका देखके एक पीड़ी दूसर पीड़ी केरे साथे मिलके पूरी दुनिया मा दुष्ट फैलाए दिहिन तो परमेश्वर ई मानवजाति का नाश करेक सोचिन।

17



सबहि जानवरन और पक्षियाँ का परमेश्वर बनाकाएक बहुत दुखित हुआ और आदमिन का भी। लेकिन एक आदमी परमेश्वर का बहुत खुश करिन।

18